विद्या भारती स्कूल
छवअमउइमतए2017
विषय : हिन्दी
कक्षा – IX

निम्नलिखित गद्यांष को ध्यान से पढ़कर प्रष्न सं0 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए :

एक साधु नदी में स्नान कर रहा था। अचानक एक बिच्छू पानी में तड़पता हुआ दिखाई दिया। साधु बिच्छू को अपने हाथ पर रखकर पानी से निकाल रहे थे। च्छिू ने उनके हाथ को काटकर खून से भर दिया था। नदी के किनारे स्नान करते हुए व्यक्ति ने पूछा, ''आप ऐसा क्यों कर रहे हैं ? आप उसे बाहर क्यों निकाल रहे हैं ?'' साधु ने कहा कि बिच्छू का काम है काटना, अतः वह काट रहा है। मेरा काम है उपकार करना अतः मैं उपकार कर रहा हूं। वह अपने काम में तल्लीन, मैं अपने काम में।

1. नदी में कौन स्नान कर रहा था ?
   (क) रानी (ख) राजा
   (ग) साधु (घ) प्रजा
2. साधु के हाथ में क्या था जो उसे बार–बार काट रहा था ?
   (क) सांप (ख) बिच्छू
   (ग) केंचुआ (घ) मक्खी
3. साधु क्या कर रहे थे ?
   (क) अपकार (ख) उपकार
   (ग) बुराई (घ) अच्छाई
4. दूसरे व्यक्ति ने साधु को क्या कहा ?
   (क) आप ऐसा क्यों कर रहे हैं ? (ख) आप क्या कर रहे हैं ?
   (ग) मत करो। (घ) इनमें से कोई नहीं
5. साधु ने क्या कहा ?
   (क) तथास्तु (ख) कल्याण हो
   (ग) सुखी रहो (घ) बिच्छू अपने काम में तल्लीन है और मैं अपने काम में

सामासिक पदों में से सही समास का चयन कीजिए –

6. प्रतिमान
   (क) तत्पुरूष (ख) कर्मधारय (ग) बहुब्रीहि (घ) अव्ययीभाव
7. पुरूषोत्तम
   (क) द्वन्द्व (ख) कर्मधारय (ग) तत्पुरूष (घ) द्विगु
8. यथासंभव
   (क) तत्पुरूष (ख) अव्ययीभाव (ग) द्विगु (घ) द्वन्द्व

शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए –

9. (क) गन्धर्व (ख) गान्दर्व (ग) गंर्दभ (घ) गंदर्भ
10. (क) कुरुक्षेत्र (ख) कूरुक्षेत्र (ग) कुरुक्षोत्र (घ) कुरुछात्र
11. (क) उजवल (ख) उज्जवल (ग) अजवल (घ) उज्वल

पर्यायवाची शब्दों का चयन कीजिए –

12. सतत

(क) अव्यक्त (ख) पावन (ग) अनवरत (घ) विरत

13. दुख

(क) विकलता (ख) क्लिष्ठता (ग) क्लोति (घ) शोक

14. कमल

(क) मनसिज (ख) सरसिज (ग) अन्त्सयज (घ) स्वदेश

विपरीतार्थक शब्दों का चयन कीजिए –

15. विनीत

(क) अग्र (ख) व्यग्र (ग) सौम्य (घ) उग्र

16. कायर

(क) भयशून्य (ख) निर्मम (ग) निःशंक (घ) साहसी

17. वक्र

(क) ऋजु (ख) अक्र (ग) क्षम (घ) कठोर

वाक्यों के लिए एक शब्द का चयन कीजिए –

18. जो पूरी तरह पका हो –

(क) परिपक्व (ख) व्यस्क (ग) पाच्य (घ) सुपाच्य

19. जिसका वर्णन न किया जा सके –

(क) अकय (ख) अकथ्य (ग) गरिष्ठ (घ) अवर्णनीय

20. जिसके आर–पार देखा जा सके –

(क) पारदर्शी (ख) अपारदर्शी (ग) रिक्त (घ) भग्न